प्रकाशनार्थ

पटना, 7 **नवम्बर।** भारत सरकार के पर्यावरण, वन, एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) के सौजन्य से चल रहे सिक्की कला एवं डिजाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम में राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट), वाराणसी के निदेशक डॉ. संजय श्रीवास्तव ने प्रशिक्षुओं से आज आग्रह किया कि वे इस कला का अभ्यास निरंतर करते रहें भले ही यह प्रयास घर पर शौक के रूप में ही क्यों न हो। अन्यथा ये कौशल धीरे-धीरे लुप्त हो जाएंगे और सशक्तिकरण नहीं हो पाएगा। प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए उन्होंने यह आश्वासन दिया कि वे सिक्की उत्पादों के मार्केटिंग और ब्रांडिंग के तरीकों को विकसित करने की दिशा में कार्य करेंगे ताकि इसे और आगे बढ़ाया जा सके। आद्री की सदस्य-सचिव डॉ. अश्मिता गुप्ता ने भी प्रशिक्षुओं का उत्साह बढ़ाते हुए उनसे आग्रह किया कि वे पूरा मन लगाकर इस कला में निपुणता हासिल करें।

यह 10-दिवसीय प्रोग्राम का आयोजन आद्री (एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट) के सीएसईसी (CSEC) के ईआईएसीपी (EIACP) सेंटर द्वारा आयोजित किया गया है। सीएसईसी (EIACP) आद्री की जलवायु संकट से लड़ने वाली इकाई है और इसे भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) का सहयोग प्राप्त है। इस अवसर पर कर्नल अनिल सिन्हा, डॉ. उषासी गुप्ता और डॉ. सुनीता लाल भी उपस्थित थे ।

ईआईएसीपी (EIACP) समन्वयक डॉ. मौसमी गुप्ता और ईआईएसीपी (EIACP) कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनील कुमार गुप्ता ने पूरे कार्यक्रम का संचालन किया। आद्री के गुलशन पटेल, सुश्री साक्षी शुभम और मौसम बहार ने भी इस आयोजन में सहयोग दिया।

(अभिषेक प्रसाद)